ॐ श्री[illegible]यै नमः ॥
अथ श्री[illegible]कीलकम्
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible] ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]कील[illegible] नमः

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible] ॥ ओं

[illegible]

मं यं रं लं वं शं षं सं हं ळं क्षं

ओं ऐं [illegible] श्रीः [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] श्रीः [illegible] ऐं ओं [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ कुबः स्तैं सेव ह्रु पीभदि
ष्ठीभपनक्रुभ्रैथमः भ
पभक्षगिवंत्प्रः भघुय
वभुवःपिक्ष त्रुंविहु३
ठ्रूनविस्तुलक्षीहुं पुभल
सेपन्न३प्रज्ञाफेदंसैपय
पिनमः ॥ ॐ चुःपिपैपै
नःभूतिफयञ्श्रेः भपु
भत्रैवनभदङ्ग्रपुभत्र
पुप्रहःभत्तीनपैकव
ठ्ठनः

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ स्वस्ति श्रीसर्वाभिमतम

[illegible]धिः कमलप्रण

[illegible]कृतः [illegible]

[illegible]मा[illegible]स

र्वाभिमतवस्तु[illegible]विवि[illegible]गः

ॐ [illegible]

[illegible]विदः [illegible]

[illegible]

[illegible]: ॐ [illegible]

[illegible]॥

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ अस्य श्रीविष्णोः सहस्र
[illegible]
[illegible] महर्षिः
[illegible] गायत्री छन्दः
विष्णुः [illegible] देवता
[illegible] विष्णु
[illegible]
विनियोगः ॐ [illegible]
[illegible] विष्णु [illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangot

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] 𑆱𑆩𑆫𑇀𑆥𑆪𑆳

𑆩𑆴 𑆤𑆩𑆂 ॥ ॥ ॥

𑇘

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ ऐं ह्रीं ॐ ह्रूं फः स्फुः ॐ ह्रूं
[illegible] ह्रीं [illegible]
[illegible]
[illegible]
ह्रीं क्लीं ऐं सौः ॐ ह्रीं श्रीं का
ईल ह्रीं हसकहल ह्रीं सकल
ह्रीं सौः ऐं क्लीं ह्रीं श्रीं ॐ [illegible]
[illegible] नमः ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

𑆓𑆳𑆪𑆠𑇀𑆫𑆵𑆩𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫 [illegible]
[illegible]
[illegible] 𑆓𑆳𑆪𑆠𑇀𑆫𑆵 [illegible]
[illegible] 𑇄 𑆠𑆠𑇀𑆱𑆮𑆴𑆠𑆶𑆫𑇀𑆮𑆫𑆼𑆟𑇀
𑆪𑆁 𑆨𑆫𑇀𑆓𑆾 𑆢𑆼𑆮𑆱𑇀𑆪 𑆣𑆵𑆩𑆲𑆴 𑆣𑆴𑆪𑆾
𑆪𑆾 𑆤𑆂 𑆥𑇀𑆫𑆖𑆾𑆢𑆪𑆳𑆠𑇀 𑇄 𑆠𑆠𑇀𑆱𑆮𑆴
𑆠𑆶𑆫𑇀𑆮𑆫𑆼𑆟𑇀𑆪𑆁 𑆨𑆫𑇀𑆓𑆾 𑆢𑆼𑆮𑆱𑇀𑆪 𑆣𑆵𑆩
𑆲𑆴 𑆣𑆴𑆪𑆾 𑆪𑆾 𑆤𑆂 𑆥𑇀𑆫𑆖𑆾𑆢𑆪𑆳𑆠𑇀
[illegible] 𑇆 [illegible] 𑆓𑆳𑆪𑆠𑇀𑆫𑆵
[illegible] 𑇆

𑇑

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

𑆱𑆓𑆱𑇀𑆫𑆽𑆮𑆤𑆱𑆢𑆴𑆏𑇀𑆰𑆓𑆱
𑆠𑇀𑆫𑆓𑆶𑆫𑆶𑆂𑆩𑆳𑆠𑇀𑆫𑆵𑆤𑆮𑆼𑆮𑆠𑆶
𑆤𑆂 𑆲𑇀𑆫𑆽 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁 𑆲𑇀𑆫𑆁 𑆩𑆮𑆝𑆷𑆤
𑆑𑆢𑆱𑇀𑆫𑆶𑆬𑆠𑇀𑆫𑆳𑆑𑆳𑆬𑆩
𑆢𑆑𑆳𑆬𑆑𑆢𑆁𑆱𑆼𑆯𑆮𑆩𑆴
𑆤𑆩𑆂𑇅 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆵𑆝𑆷𑆩𑆼𑆟𑆁 𑇅
𑆮𑆫𑆵𑆮𑆫𑆢𑆲𑇀𑆫𑆶 𑆬𑆥𑆶𑆬𑆱𑆼
𑆨𑆱𑇀𑆪𑆶𑆟𑆳𑆮𑆲𑆵𑆬𑆥𑆩𑆢𑆂
𑆑𑆓𑆴𑆲𑇀𑆫𑆶𑇅𑇖𑇅𑇑𑇓𑇅𑆬𑆥𑆼𑆝𑆴𑆠𑆼
𑆪𑆁𑆢𑆴𑆪𑆁𑆝𑆷𑆩𑆴𑆝𑆮𑆼𑆬𑆴
𑆠𑆼

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ नमो स्वच्छवीमग्निपिपेपै
नः पुरिस्य यत्र पतेरल्ये
मवस्तैं संभैर रवहवय
मेहृिशीरमेमठं वद्धिकृहृवः
भूंरै उक्वितकोल्यि यंॐ नमो
स्वच्छवीमग्निपिपेपैनः पु
रिस्य यत्र ॥ ॐ पद्मपञ्चग
यहील्य पमहं कारिहृ ॐ
नमः॥ ॐ हूं ॐ हूः ॐ हूंवः
ॐ भूः ॐ मदः ॐ ल्यनः ॐ
उयः

८

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ अस्य श्रीगायत्रीकवचस्य मन्त्र
स्य ब्रह्मविष्णुमहेश्वरा ऋषयः ऋ
ग्यजुःसामाथर्वाणि छन्दांसि पर
ब्रह्मस्वरूपिणी गायत्री देवता
तत्सवितुः बीजं भर्गो देवस्य शक्तिः
धियो यो नः कीलकं मम गायत्रीप्र
सिद्ध्यर्थे [illegible] पाठे
विनियोगः ॥ तत्सवितुः ब्रह्मात्मने
हृद॰ नमः॰ वरेण्यं विष्णवात्मने शि॰
सिर॰ भर्गो देवस्य रुद्रात्मने शि॰
सिखा॰

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

हिकारः कण्ठहिंरुवकारः स्फु
हसकम। ष्टकारहलिखिंर्हसी
कौवभरहक्म। भकौह्रस्वं
स्रोत्तुकं ॰ तेक्षणीकौसे
तिहसेरुवकारसुकल्पियम। १
गंदेरगरुवकारः ऊरुमेरःपस्फ
गरम। पकौरुगीरक्षेत्रेकौ
॰रुहसकम। सकौगरुहसे
रुयक्रः पहये क्रये ॥ ॐ
ह्कवगंगहस ३ वं ॰ ण निवे ॰ म।

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ओं मङ्गलायै नमः पार्वत्यै नमः पा
र्षद्यै नमः ॥ ओं अस्य श्रीपूजाविधानमन्त्र
स्य ब्रह्मर्षिः गायत्रीछन्दः श्रीशि
वो देवता पूजाविधौ विनियोगः ॥ ओं कां भ
[illegible]
[illegible] ओं कां [illegible]
हमा ॥ ओं हृदयकमलमध्ये [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ओं नमः [illegible] ॥ [illegible]
देवमति विष्णुः [illegible] देवमति शिवः स
क देवमति ब्रह्म ओं कां [illegible] कल [illegible]
तः ॥ [illegible] ॥
इदं गायत्र्यः ब्रह्मशिरः [illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ५३ः [illegible]
[illegible]नमः॥ ॐ भूरित्यस्य विश्वामित्रऋ
षिः गायत्रीछन्दः अग्निर्देवता शु
क्लवर्णः मन्त्रः ॐ भूः अङ्गुष्ठाभ्यां न
मः ॐ भूः पादाभ्यां ॐ भूः हृदयाय
नमः प्राणायामे विनियोगः॥ ॐ
भुवरित्यस्य भरद्वाजऋषिः उष्णि
क्छन्दः वायुर्देवता श्यामवर्णः उप
[illegible]ः ॐ भुवः तर्जनीभ्यां नमः ॐ
भुवः जानुभ्यां ॐ भुवः शिरसे स्वाहा॥

७ ॐ स्वःइत्यस्य काश्यपऋषिः अनु
ष्टुप्छन्दः सूर्योदेवता पिङ्गलवर्णः

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

गाङ्गन्यासः ॐ भूः अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ॐ भूः हृदि ॐ भूः शिखायै वौषट्।
ॐ भुवः इत्यस्य जमदग्निऋषिः उष्णि-
क्छन्दः वायुर्देवता श्यामवर्णः
अङ्गन्यासः ॐ भुवः मध्यमिकाभ्यां
नमः ॐ भुवः शिरसे ॐ भुवः कवचा-
य हुं ॥ ॐ स्वः इत्यस्य अत्रिऋषिः
पङ्क्तिश्छन्दः वरुणो देवता
नीलवर्णः अङ्गन्यासः ॐ स्वः
कनिष्ठिकाभ्यां नमः ॐ स्वः हृदये
ॐ स्वः नेत्रत्रयाय वौषट् ॥ ॐ तपः इत्य-
स्य वसिष्ठऋषिः त्रिष्टुप्छन्दः इ-
न्द्रो देवता लोहितवर्णः अङ्गन्यासः
ॐ तपः करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः ॐ तपः
कण्ठे ॐ तपः अस्त्राय फट् ॥ ॐ सत्यमि-

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

हृदय कृष्णऋषिः गायत्रीछन्दः विष्णु
र्देवता ॐ बीजं विनियोगः ॐ
अङ्गुष्ठाभ्यां नमः ॐ अं हृदये १
ॐ अं शिरसि ॐ अं शिखायै वषट् ॥
ॐ कृष्णाय हृदयाय नमः
ॐ कृष्णाय विष्णवे शिरसे स्वाहा
ॐ ... शिखायै वषट्
ॐ नमः ... कवचाय हुं ॐ
नमः ... नेत्रत्रयाय वौषट् ॐ
नमः ... अस्त्राय फट् ॥
विष्णुर्महर्षिः ॐ ...
॥ ॐ ... विष्णुर्महर्षिः
गायत्रीछन्दः ... बीजं ... शक्तिः
... कीलकं ...
... कराः ...

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

सतितह्नि मन्त्रविंसतिमिवः मत
मन्त्रदेवता यालवसक्षमहेतिभूर्-
ह्रूं बीजं भूः स्वः भूतमः सक्तवनर्यत्रै-
विनियोगः ॥ ॐ तत्त्वविदे शिरसि विश्व
मिहृदयेः नयहीस्मृतः मविदं दे
वता ॐ तत्त्वविदु प्रहस्तत्त्वे पङ्क्ति
छन्दसे नमः तत्त्वदेवः मविद्वत्वैः ॐ
तत्त्वविदः प्रहस्तत्त्वे हृदयायनमः ॥
वरीं शिरसि हृदये मञ्जिस्मृतः
श्रीदेवता वरीं श्रीमत्त्वे तत्त्वनीजः
वरीं कवचं वरीं श्रीमत्त्वे शिरसि सुः
नेत्रदेवता हृदये मन्त्रपाणेः यहसी-
स्मृतः नेत्रदेवता नेत्रदेवता निरङ्कु
नत्त्वे पञ्चमीहुं नेत्रं देवता
हृदये नेत्रदेवता निरङ्कुनत्त्वे सिया
यैवंपलं ॥

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

श्री[illegible]मन्त्रस्य [illegible] ऋषिः विराट् छन्दः
[illegible]देवता श्री[illegible]
[illegible] श्री[illegible] श्री[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
मन्त्रस्य [illegible] ऋषिः [illegible] छन्दः [illegible]
देवता [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
मन्त्रस्य [illegible] ऋषिः [illegible] छन्दः [illegible]
[illegible]देवता [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ तं थं दक्षिणजङ्घायां ॐ दं धं वाम
जङ्घायां ॐ नं पं वक्षे ॐ फं वं स्कन्धे
ॐ बं भं कण्ठे ॐ मं यं दक्षबाहौ १
ॐ रं लं वामबाहौ ॐ वं शं हृदये १
ॐ षं सं दक्षभुजे ॐ हं क्षं वामभुजे १
ॐ अं आं नाभौ ॐ इं ईं गुह्ये ॐ उं ऊं द
क्षपादे ॐ ऋं ॠं वामपादे ॐ ऌं ॡं
दक्षपार्श्वे ॐ एं ऐं वामपार्श्वे ॥
ॐ ह्रां ओं सद्याय नमः पादाङ्गुष्ठयोः
ॐ ह्रीं औं वामदेवाय नमः गुल्फयोः
ॐ ह्रूं अं अघोराय नमः जानुनोः
ॐ ह्रैं अः ईशानाय नमः ऊर्वोः ॐ
ह्रौं विष्णवे नमः कट्योः ॐ ह्रः रुद्र
राय नमः गुह्ये ॐ ह्रां ह्रीं शिव
रूपाय नमः नाभौ ॐ ह्रैं विश्व

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

तस्मै नमः [illegible] ॥ ॐ [illegible]
[illegible] नमः ॐ [illegible]
[illegible] धीमहि [illegible] नमः ॐ [illegible]
[illegible] शिरसि [illegible] ॥ ॥
[illegible] ऋषिः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] शिरसि ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥
ॐ [illegible] ऋषिः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

नमःपूर्वस्यान्तु मूलमन्त्रेण ॐ ह्रां
नमः पादाङ्गुष्ठयोः ।१। ॐ ह्रीं हृदय-
मन्त्रस्य ब्रह्मऋषिः गायत्रीछन्दः अग्निर्देवता
शुक्लवर्णः ह्रीं बीजं, मम ... उपपादाङ्गुष्ठयो-
र्न्यासे मूलमन्त्रेण
ॐ ह्रूं नमः गुल्फयोः ।२। ॐ हिं हृदय-
मन्त्रस्य ऋषिः ... छन्दः
देवता कपिलवर्णः ... बीजं वि-
नियोगः ...
... न्यासे ... मूलमन्त्रेण ॐ हिं नमः जानुनोः ।३।
ॐ हृदयमन्त्रस्य ऋषिः ... छन्दः ... वर्णः ... बीजं विनियोगः ...

विनियोगः
... १

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]ः [illegible]ः [illegible]र्देवता ।
[illegible] कीलकं [illegible] शक्तिः [illegible]
[illegible] जपे विनियोगः [illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible] ॥१॥ [illegible]
[illegible] विष्णुऋषिः [illegible]
[illegible]ः [illegible]ः [illegible]देवता [illegible]
कीलकं [illegible] शक्तिः [illegible]
[illegible] जपे विनियोगः [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥२॥ [illegible]
[illegible]ः [illegible]
[illegible]देवता [illegible] कीलकं [illegible]
शक्तिः [illegible] २
[illegible] जपे विनियोगः [illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible] मन्त्रः ॐ [illegible] नमः स्वाहा ।७।
ॐ [illegible] अस्य [illegible] ऋषिः गाय-
त्रीछन्दः [illegible]
[illegible] शक्तिः म-
[illegible]
[illegible] मन्त्रं
ॐ [illegible] नमः स्वाहा ।१०। ॐ [illegible]
[illegible] ऋषिः [illegible]
[illegible] शक्तिः [illegible]
[illegible]
[illegible] मन्त्रं ॐ [illegible] नमः
स्वाहा ।११। ॐ [illegible]
ऋषिः [illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ओं ऐं सं हृदयस्य संवर्त ऋषिः अगस्तिदेवता ।
गुरुमन्त्रबीजं छन्दः वरुणरूपः अप्सर
अग्निश्च तत्त्वः अकारोबीजं ऊर्मिमयीशक्तिः र
सारसाङ्गं अद्यायेष्टु प्रत्यङ्गरूपोऽस्य
सारहंसेऽस्य विनियोगः । गर्भस्थानाद्य
वर्तुलादं ओं ऐं सं नमः इत्यादि । १८ ॥
ओं ऊं ह्रीं हृदयस्य कश्यप ऋषिः मेमिदेव
ता वहेह्येश्वरः उरुत्रयः मन्त्रदेव
तः उकारोबीजं ह्रीं उद्धरणशक्तिः सु
हृद्गं विलक्षणेष्टु स्वेच्छया सारहंसे
ऽस्य अमरमण्डले करवृत्तवर्तं ओं ऊं
ह्रीं नमः इत्यादि । १९ ॥ ओं पं पिं हृदयस्य
कश्यप ऋषिः पार्थिवमण्डलस्य शुद्ध
ब्रह्मरूपः अव्यक्तस्य पार्थिवतत्त्वः अका
रोबीजं ब्रह्माशक्तिः हृदयं अस्थिरेष्टु

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
नमः नेत्रयोः॥ ७१॥ ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
ॐ [illegible] नमः [illegible]॥ ७३॥ ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॐ [illegible] नमः
ललाटे॥ ७४॥ ॐ [illegible]

७

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

पूजने विनियोगः । त्रिः प्राणायामं कृत्वा लपि
न्यासं कृत्वा ॐ मं ॐ नमः पञ्चमा पूजा ॥ ३३ ॥
ॐ अस्य श्रीमन्त्रस्य मृत्युञ्जय ऋषिः ब्रह्म छन्दः
अनुष्टुप् छन्दः देवी सुरेश्वरः महाबलः म
हाकौलीनं बीजं मन्त्रशक्तिः नमस्कारसुत्सुं
मन्त्राणि अनुग्रहपत्र पूजने विनियोगः ।
श्रुत्वा त्रिः प्राणायामं कृत्वा न्यासं कृत्वा ।
ॐ मं नमः ॐ अस्तु ॥ ३३ ॥ ॐ अस्य श्री
मन्त्रस्य मृत्युञ्जय ऋषिः श्रीशनदेव
श्रुत छन्दः अनुष्टुप् छन्दः महासुरेश्वरः
गणेश देवता बलः कौलीनं बीज
शक्तिः तु अस्तु वज्रं पञ्चम
त्रैलोक्य मोहन पूजने वि
नियोग न्यासं कृत्वा ॐ नमः
श्रीब्रह्म कवचं ॥ ३४ ॥ ॐ अस्य श्री

ष्टि इति मंत्र[illegible] गायत्री[illegible]॥ ॐ

भूरिति [illegible] भुवरिति [illegible]

[illegible] स्वरिति [illegible] महरिति

[illegible] जनरिति [illegible] तपरिति [illegible]

[illegible] सत्यमिति [illegible]।

[illegible] गायत्री[illegible]।

ओजोऽसि सहोऽसि बलमसि भ्राजोऽसि दे

वानां धाम नामासि विश्वमसि विश्वायुः

सर्वमसि सर्वायुरभिभूरिति। ततः सू

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]। [illegible]

[illegible]। [illegible]

[illegible]

[illegible]। [illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

𑆤𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆵𑆱𑆶𑆩𑆮𑆂𑆥𑆶𑆫𑇀𑆮𑆳𑆪𑆣𑇀𑆮𑆩𑆥𑇀𑆫𑆳𑆑𑆼𑆤𑆩𑆩
𑆑𑆫𑆴𑆫𑆶𑆂𑇅 𑆤𑆫𑆼𑆤𑆑𑆽𑆤𑆮𑆩𑆥𑇀𑆫𑆳𑆑𑆼𑆯𑆼𑆤𑆩
𑆥𑆶𑆤𑆫𑆵𑆯𑇀𑆫𑆶𑆠𑆤𑆮𑆮𑆁𑆓 𑆩𑆴𑆫𑇀𑆩𑆬𑆱𑇀𑆩𑆪
𑆯𑆁𑆑𑇀𑆫𑆩𑆴𑆬𑆼𑆤𑆥𑆶𑆫𑆼𑆤𑆩𑆼𑆠𑆁𑆥𑆶𑆮𑆑𑆴𑆠𑇀𑆫𑆴𑆠𑆩𑆶𑆂𑇅
𑆤𑆴𑆩𑆶𑆢𑆮𑆁𑆩𑆼𑆠𑆫𑆤𑆁𑆑𑆴𑆱𑆼𑆯𑆁𑆥𑆶𑆬𑆁𑆮𑆢𑆴𑆥𑆶𑆫
𑆩𑆴𑆮𑆁𑆤𑆬𑆼𑆤 𑆪𑆢𑇀𑆮𑆤𑆳𑆩𑆴𑆥𑆶𑆠𑆴𑆤𑆴𑆣𑆮𑆁𑆥𑆶
𑆩𑆫𑆼𑆤𑆑𑆼𑆤𑆩𑆩𑆑𑆫𑆴𑆫𑆶𑆂𑇆 𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆬
𑆤𑆁𑆑𑆴𑇆 𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆬𑆤𑆁𑆑𑆵𑆮𑆤𑆁𑆤𑆑𑆼𑆥𑆴𑆠𑆶𑆁𑆱𑆤𑆥
𑆩𑆼𑆩𑆤𑆩𑆳 𑆓𑆢𑆠𑆳𑆠𑆶𑆩𑆥𑆶𑆩𑆢𑆶𑆁𑆩𑆴𑆢𑆶𑆥𑆶𑆬
𑆩𑆠𑆂𑆥𑆫𑆩𑆳 𑆑𑆥𑆠𑇀𑆫𑆶𑆩𑆥𑆶𑆢𑆁𑆑𑆢𑆶𑆁𑆠𑆼𑆤
𑆩𑆢𑆶𑆁𑆩𑆴𑆢𑆶𑆥𑆴𑇆 𑆠𑆼𑆁𑆑𑆮𑆥𑆶𑆠𑆢𑆶𑆮𑆴𑆠𑆮
𑆫𑆼𑆁𑆢𑆼𑆤𑆼𑆥𑆵𑆩𑆢𑆴𑆥𑆴𑆯𑆼𑆯𑆼𑆤𑆂𑆥𑆶𑆫𑆴𑆑𑆮𑆁𑆓
𑆠𑆼𑆁 𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆬𑆤𑆁𑆑𑆫𑆼𑆩𑆴𑆤𑆩𑆂 𑇓𑇅 𑆢𑆼𑆤𑆼𑆠𑆼𑆁𑆢𑆶𑆮𑆴
𑆢𑆮𑆫𑆼𑆁𑆥𑆵𑆩𑆢𑆴𑆥𑆴𑆯𑆼𑆯𑆼𑆤𑆂𑆥𑆶𑆫𑆴𑆑𑆮𑆁𑆓
𑆠𑆼𑆁𑆑𑆪𑆲𑇀𑆫𑆵𑆩𑆥𑇀𑆫𑆵𑆮𑆮𑆁𑆩𑆴𑆤𑆩𑆂 𑇓𑇆 𑆥

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ [illegible] ॐ [illegible] ॐ [illegible]
[illegible] नमः ३। [illegible]
[illegible] विमल[illegible]धिः [illegible]
[illegible]
[illegible] ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible] नमः। ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible] मे विधि। ॐ [illegible]
[illegible] मे
विधि। [illegible]
[illegible] मे विधि।
ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible]॥ [illegible] विम[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

मिद्ऋषिः गायत्री विष्णु[illegible] छन्दः
[illegible] विनि
योगः। ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible] ऽङ्गुष्ठाभ्यां नमः ।१। ॐ [illegible]
[illegible] ऽङ्गुलि[illegible] नमः २ ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible] ऽङ्गुलि[illegible] नमः ३
ॐ [illegible] गायत्री विष्णु[illegible]
[illegible]
[illegible] ऽङ्गुलि[illegible] नमः ॥४॥ ॐ [illegible]
[illegible] ऋषिः गा
यत्री छन्दः [illegible] गायत्री [illegible]
[illegible] शक्तिः [illegible] कीलकं [illegible]
[illegible] विनियोगः ॥ ॐ गायत्री

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

अस्य श्रीमन्त्रमन्त्रस्य विश्वामित्र ऋषिः ग
गायत्री छन्दः उदनसप्रिकत्रु विश्वामि
हृत्रमतीङ् गायत्रीमन्त्रिदेवता यवीलं
रमन्त्रिः नकीलकं विश्वामित्र स्य श्री
मन्त्रे विनियोगः। ॐ गायत्री हृदयमिम
भर्गो विश्वागत परम्तव देवं ब्रह्मिरे
मन्त्रं कलुगाः सप्तिकरं भुपठेय
ह्मापं निमहं पिलं ०। ॐ नमोऽस्तु
वरीविश्वामित्रस्य गायत्रीमन्त्रं तवतव॥
मम श्रीउगतत्तुं मन्त्रस्य ब्रह्म ऋषिः गा
यत्रं छन्दः गायत्री देवता लपविनियो
गः। ॐ भूर्भुवः स्वरोंनमः मित्रकृत।
गायत्रीउगतत्तुं करोमिपठन्३। म
हश्रीन्द्रमन्त्रस्य ब्रह्म ऋषिः गायत्री
छन्दः वेदमाता गायत्री देवता मम

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

किंवेद्यः किंध्रुवः किंब्रह्मः किंमहः :
किंजनः किंतपः किंसत्यं किं[illegible]।
किमविद्यः किंवैराग्यं किंज्ञानः किं
[illegible] किं[illegible] किं[illegible]ः किं[illegible]ः
किंनः किं[illegible] रुद्र इति रुद्रलो-
कः ध्रुव इति ध्रुवलोकः ब्रह्म इति
ब्रह्मलोकः महः इति महर्लोकः जन
इति जनलोकः तप इति तपोलोकः
सत्यमिति सत्यलोकः [illegible]
[illegible] अविद्या इति अविद्या
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ बीजाय ह्रीं सर्वलोकमहेश्वराय हूं॥ ओं
मंगलाय ह्रीं हरिहरसमस्तदेवेन्द्रादिसम
र्चिताय भवति सिद्धविद्याधरगन्धर्व
मः उद्धृतमस्तिपुत्रेनमः ओं मंगला
य ह्रीं हरयें बृ[?]ः सतर्णी सर्वे [?]
वसतुड्डे पापं नश्यति सायमणी
यवः मंवद्धर तुड्डे पापं नश्यति
साम्वं भूतरणीयें [?] त्तुड्डे पापं
नश्यति ओं मंगलाय ह्रीं हरयेंद्रम
ः पठित्वा ब्रह्मसनप्रलम[?]
लानि भवति सर्वेषु श्रीमुख[?] भव
ति सर्वसिद्धिर्भवति सर्वहृत्
[?] भवति पञ्चिमसमनप्राप्त
भवति सर्वेषु [?] तु न[?]
[?]लं गच्छति [?]॥
समाप्तमिदं

१७

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ श्रीगणपतये नमः सरस्वत्यै नमः श्री
गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ अस्य श्री[illegible]मन्त्रस्य
ब्रह्मऋषिः गायत्री छन्दः श्री[illegible]देवता
[illegible] विनियोगः ॐ [illegible]

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

𑇄𑆤𑆩𑆂 ०३ 𑇆 𑆃𑆑𑆳𑆫𑆼𑆮𑆱𑆠𑆴𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆶
𑆫𑆶𑆑𑆳𑆫𑆼𑆮𑆱𑆠𑆴𑆯𑆴𑆮𑆂 𑆩𑆑𑆳𑆫𑆼𑆮𑆱𑆠𑆴
𑆧𑇀𑆫𑆲𑇀𑆩𑆳 𑇄𑆑𑆳𑆫𑆱𑆑𑆬𑆁𑆱𑇀𑆩𑆸𑆠𑆂 𑇆 𑆃
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

रज्ञां हेमम्बुकदम्बक गौरीसपद्मे
सुज्ञां कृत्स्नैकपद्मं श्रुत्वा कमाङ्ग
लुगभल्लां छेगाय्यहीतं नमभ्रू
कमा ॥ श्रुतवल्कलाय भाक्रुण्ठहि त्रै
हमा स्फीमुठ यत्रोःवैसभाप
पभु हजांशिगविरा लिड भद्रा
हितहालीकन्तुं भागविहीतं नम
भुकमा ॥ सप्तद्वकरातुम्लूयु
कुगाहहागा भिनीभा सैत्रकमं ^
श्रुत्वा विहं भाभवेसदिर्यंमस

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ममार्थं विष्णुश्चैव हृ मरस्तुं तीनम
स्तकमा ॥ ऋ॰ तिहल्ल ऋ॰ ममैत्रर्षि
त्र ऋ॰ः ब्रह्मश्चैव तन्तुमम हृद्यः
वर्ष्मि मरुत्र ऋ॰ः विष्णुश्चैव प्र
हस्तुद्यः पदकृष्णमुमैत्र ऋ॰ः र
गुरुश्चैव पार्श्वस्तुद्यः ॥ तेंद्र
वरः सुः ॰३ ॥ ओं ब्रूलिः ॥
ऋ॰ मत्रिष्ट हृद्यः मचस्पामि
ष्मुनः इस्तेवममसुज्ञवर्द्ध
मगर्मिमिते इहदीनंममसुं

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ५३ ॥

[illegible] ॐ [illegible]

[illegible] ऋषिः [illegible] छन्दः [illegible]

[illegible]

ॐ [illegible] नमः ॐ [illegible]

[illegible] ॐ [illegible] नमः [illegible]

[illegible] विनियोगः ॥ ॐ [illegible]

२

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ल्मऋग्रिऋषिः उष्णिक्छन्दः श्री
सूर्यदेवता श्रीमद्बलः दक्षशक्तिः
ॐ कुद्रः उल्कानीहं नमः ॐ कुद्रः
रुद्रैः ॐ कुद्रः शिरसि मुञ्च ॥
ॐ सुः ददृश्च ल्लक्ष्मऋषिः
पञ्चशुष्कछन्दः श्रीसूर्यदेवता सिद्ध
लबलः गायत्रीशक्तिः ॐ सुः म
हुमहूं नमः ॐ सुः तुहि ॐ सुः
शिखायै वषट् ॥ ॐ मतदृष्ट
म गोडमऋषिः चन्द्रीच्छन्दः

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ तपः करतल[illegible] नमः ॐ तपः क
वचं ॐ तपः [illegible] ॥ ॐ महाम
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॐ मं [illegible] नमः
ॐ मं [illegible] ॐ मं शिरसे
ॐ मं [illegible] ॥ ॐ [illegible]
[illegible] नमः
ॐ [illegible]
[illegible] ॐ [illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

कश्यपः षड्विंशतितत्त्वा
नि सप्तविंशतिशिवः परमे
ष्ठशिवस्तु यान्नवसप्तमहेति
भट्टमुकुं दुर्ग्गवः पृथ्वः स
उत्तनपश्रे विविधयोगः तत्त्व
ष्टविकृतिरष्ट विष्णुभिरुक्ताः
गायत्रीप्रकृतः भविष्टशिवस्त
तत्त्वष्टविकृतिरष्टा च पञ्च
तत्त्वकर्यः भविष्टन्ते तत्त्व
विकृतिमयान्यत्रमः ॥ तत्वे

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ऽभिमन्त्रस्य ब्रह्मऋषिः पङ्क्तिश्छन्दः
श्रीश्रीदेवता बीजं [illegible]
[illegible] बीजं [illegible] बीजं [illegible]
[illegible]॥ अस्य श्री[illegible]मन्त्रस्य ब्रह्म
ऋषिः [illegible]छन्दः श्री[illegible]देवता
अस्य श्री[illegible]
[illegible]
[illegible]॥ श्रीम[illegible]
मन्त्रस्य [illegible] ऋषिः विराट्छन्दः
[illegible] देवता श्रीम[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ रं अंखभभर्वि हृः ॐ ऊं हृदयाय
ॐ अं पंसशिरसे स्वा ॐ ऊं शिखायै वषट्
हा ॐ रं शिखायै वषट् ॐ लं नः तुहि
ॐ वं हुं कवचाय हुं ॐ मं नेत्रत्रयाय
वौषट् ॐ मं फं अस्त्राय फट् ॐ हृदयास्त्रा
यभयफट् ॥ ॐ नं ऊं केशवाय न
मः पादयोः ॐ कं नारा
यणाय नमः गुह्ये ॐ मं मा
धवाय नमः हृदि ॐ रं गो
विन्दाय नमः मूर्ध्नि ॐ ऊं वं विष्णु
वे नमः कुक्षौ

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

𑆎𑆀 𑆈𑆀 𑆩𑆣𑆶𑆱𑆷𑆢𑆤𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆥𑆸𑆱𑇀𑆜𑆼 𑆎𑆀
𑆏𑆀 𑆠𑇀𑆫𑆴𑆮𑆴𑆑𑇀𑆫𑆩𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆕𑆶𑆣𑆳𑆪𑆼𑆂 𑆎𑆀
𑆐𑆀 𑆮𑆳𑆩𑆤𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆑𑆸𑆘𑆼 𑆎𑆀
𑆑𑆀 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆣𑆫𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆤𑆳𑆨𑆿 𑆎𑆀 𑆎𑆀
𑆒𑆀 𑆲𑆸𑆰𑆵𑆑𑆼𑆯𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆬𑆶𑆁𑆓𑆼 𑆎𑆀
𑆓𑆀 𑆥𑆢𑇀𑆩𑆤𑆳𑆨𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆩𑆶𑆤𑆳𑆪𑆼𑆂 𑆎𑆀
𑆃𑆂 𑆢𑆳𑆩𑆺𑆢𑆫𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆲𑆸𑆢𑆪𑆼 𑆎𑆀
𑆑𑆀 𑆱𑆁𑆑𑆫𑇀𑆰𑆟𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆑𑆟𑇀𑆜𑆼 𑆎𑆀
𑆒𑆀 𑆮𑆳𑆱𑆶𑆢𑆼𑆮𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆫𑆱𑆼 𑆎𑆀
𑆓𑆀 𑆥𑇀𑆫𑆢𑇀𑆪𑆶𑆩𑇀𑆤𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆃𑆁𑆱𑆴 𑆎𑆀

𑇓

ओं ह्रीं [illegible] ये नमः [illegible] १

ओं [illegible] ये नमः [illegible]

[illegible] ओं [illegible] ये नमः [illegible]

[illegible] ओं [illegible] ये नमः [illegible]

[illegible] ओं [illegible] ये नमः १

[illegible] ओं [illegible] ये न

मः [illegible] ओं [illegible] ये

नमः [illegible] ओं [illegible] ये न

मः [illegible] ओं [illegible]

ये नमः [illegible] ॥ ओं [illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ह्रीं त्रिरीमसतंत्र संभूतः श्रीमा
ऽत्रिगमशुभा॥ ॐ ह्रींऽस्य श्रि
शुभिह्णधिः ब्रह्मविष्णुशिवर्षि
कत्रिग्रीवत्र गायत्रीछन्दः ऽज्य
श्रुतः सप्तकपीठवत्तः सकौ
बीजं मनडीशक्तिः ममिवीतं
ममाभष्ट पाठकपठंश्रुयेग्
नमः गुणग्रन्थ श्रुलकिनमेणं
ॐ ह्रींतंनमः पादपद्मयोः ० १
ॐ ह्रूंऽस्य मम सृष्टिगोधिः १

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

𑆥𑆁𑆖𑆢𑆯𑆳𑆑𑇀𑆰𑆫𑆵 𑆠𑇀𑆫𑆪𑆾𑆢𑆯𑆳𑆤𑆳𑆪 𑆑𑆳𑆫
𑆟𑆑𑇀𑆰𑆾𑆨𑆴𑆟𑇀𑆪𑆽 𑆏𑆁𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁𑆱𑆴𑆁𑆤𑆩𑆂 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳
𑆪𑆽𑆂 𑇓 ‖ 𑆏𑆁𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁𑆱𑇀𑆫𑆵𑆁𑆱𑆿𑆫𑆑𑇀𑆰 𑆠𑆥𑆩𑆱𑇀𑆠𑆼
𑆨𑆂 𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆴𑆢𑆳𑆪𑆑 𑆥𑆴𑆟𑇀𑆝𑆬𑆑𑇀𑆰𑆂
𑆠𑆑𑇀𑆰𑆾𑆨𑆳𑆂 𑆱𑆑𑇀𑆰𑆵𑆬𑆮𑆬𑆂 𑆏𑆁𑆑𑆳
𑆩𑆵𑆬𑆁 𑆮𑆴𑆬𑆳𑆱𑆴𑆤𑆵𑆩𑆑𑇀𑆠𑆴𑆂 𑆮𑆱𑆶
𑆩𑆶𑆁 𑆮𑆴𑆩𑆵𑆬𑆩𑆑𑆶 𑆥𑆶𑆟𑇀𑆝𑆥𑆠𑆾𑆥𑆑𑆶
𑆮𑆥𑆳𑆥𑆳𑆥𑆁𑆖𑆢𑆯𑆳𑆑𑇀𑆰𑆫𑆵 𑆫𑆴𑆩𑆴𑆩𑆟𑆳
𑆪 𑆱𑆵𑆮𑆑𑇀𑆰𑆩𑆟𑆳 𑆏𑆁𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁𑆤𑆩𑆂
𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳𑆂 𑇔 ‖ 𑆏𑆁𑆲𑆁𑆱𑆿𑆫𑆑𑇀𑆰 𑆑𑆥𑆼𑆥

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

विष्णुरृषिः पङ्क्तिश्छन्दः श्रीसु
दर्शनः परमात्मा देवता ओंकारो
बीजं क्लीं शक्तिः ह्रीं कीलकं
मम सर्वाभीष्टसिद्धये जपे वि
नियोगः [illegible]
[illegible] नमः [illegible] २ ॥ [illegible]
[illegible] ऋषिः [illegible]
छन्दः [illegible] देवता [illegible]
[illegible] कीलकं [illegible]
शक्तिः [illegible] मम [illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible] ऐं ह्रीं श्रीं नमः [illegible]

[illegible] ७॥ ऐं ह्रीं श्रीं [illegible]

[illegible] शक्तिः [illegible]

[illegible]

[illegible]

ऐं ह्रीं श्रीं नमः [illegible] ८॥ ऐं ह्रीं श्रीं

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

परमशिवपादान्ते संलिप्ताक्रमेण

यं ॐ ह्रूं: वं नमः स्वाहा ७॥ ॐ कं

ह्रीं ऽस्य मन्त्रस्य यमदग्निऋषिः [illegible] देव

त्रि[illegible]गायत्रीछन्दः ऽस्य [illegible]: श्री

[illegible]: [illegible] बीजं [illegible]शक्तिः

ऽभ[illegible] यम[illegible] [illegible]

व[illegible] कीलितं [illegible] कीलित

पादान्ते [illegible] पं ॐ कं ह्रीं नमः

स्वाहा ७॥ ॐ [illegible] ऽस्य मन्त्रस्य भृगु

ऋषिः वामदेव [illegible] गायत्रीछन्दः

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ऋषिः ... छन्दः श्री...देवता ...
...शक्तिः ... कीलकं
... [illegible]
... विनियोगः ...
... ॐ ह्रीं ... नमः ... १६ ॥
ॐ ह्रीं ... अस्य ... मन्त्रस्य ...
... ऋषिः ...
ः ... छन्दः ... देवता ...
...शक्तिः ... [illegible]
... [illegible]
... [illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

𑆥𑆢𑆁𑆩𑆶𑆧𑆵𑆘 𑆩𑆶𑆤𑆴𑆩𑆴𑆠𑆼𑆬𑆾𑆑𑆤

𑆥𑆤𑇀𑆠𑆶 𑆥𑆝𑆾𑆑𑆼𑆩𑆼𑆥𑆤 𑆎𑆀 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆀

𑆤𑆩𑆂 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑇗𑇓𑇅 𑆎𑆀 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆀 𑆥𑆶𑆫𑆶𑆰

𑆮𑆴𑆑𑆳𑆫𑆩𑆥𑆴𑆡𑆼𑆂 𑆮𑆱𑆼𑆤𑇀𑆢𑆴𑆮𑆑

𑆮𑆴𑆠𑆴𑆥𑆴𑆠𑆴𑆑𑇀𑆮𑆁𑆂 𑆟𑆑𑇀𑆫𑆾𑆂 𑆫𑆾

𑆕𑆮𑆬𑆂 𑆫𑆑𑆼𑆬𑆵𑆤𑆁 𑆬𑆓𑆩𑆱𑆴𑆢𑇀𑆢𑆴𑆂

𑆱𑆴𑆢𑇀𑆢𑆶𑆩𑆁𑆧𑆴𑆩𑆩𑆤𑆶 𑆤𑆮𑆥𑆤

𑆥𑆢𑆁𑆩𑆶𑆧𑆵𑆘 𑆧𑆼𑆢𑆵𑆮𑆥𑆤𑇀𑆠𑆶

𑆩𑆤𑆩𑆤𑆼𑆩𑆼𑆥𑆤 𑆎𑆀 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆀 𑆤𑆩𑆂 𑆱𑇀

𑆮𑆳𑆲𑆳 𑇗𑇔𑇅 𑆎𑆀 𑆬𑆁 𑆥𑆶𑆫𑆶𑆰 𑆩𑆲𑆳

𑆥𑆴𑆡𑆼𑆂

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

मूलस्य त्रिपुरेश्वर ऋषिः अनुष्टुप्छन्दः श्रीत्रि
पुरेश्वरः देवता ऐं बीजं ह्रीं शक्तिः क्लीं की
लकं मम श्रीत्रिपुरेश्वरप्री
त्यर्थे जपे विनियोगः
॥ ॐ कल्पवृक्ष
सन्ताननाय नमः श्रीचक्रे १० ॥
ॐ ऐं ह्रीं श्रीं नमः सर्वसिद्धिप्रदाय
भैरवाय त्रिपुरेश्वर ऋषिः अनुष्टुप्
छन्दः श्रीत्रिपुरेश्वरः देवता श्री
बीजं महालक्ष्मीशक्तिः मम
(८०)

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ अं कं अस्य [illegible] ऋषिः [illegible]
[illegible] उष्णिक्छन्दः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॐ अं कं नमः
[illegible] ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ऋषिः [illegible]
[illegible] उष्णिक्छन्दः [illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

टिमुद्राय नमः ३४ [illegible]मुद्राय न
मः ३५ [illegible]मुद्राय नमः ३६ [illegible]
नमः ३७ [illegible]मुद्राय नमः ३८ म[illegible]
[illegible]मुद्राय नमः ३९ बलि[illegible]मुद्राय नमः ४०
[illegible]मुद्राय नमः ४१ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

९३

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

उपक्षेप्तुः क्षिप्नुटः सहसिद्धै
बुद्धिर्वेल्गातुः ॥ रलेसीतिगां
यहीमन्यद्भुद्धिवन्तं सत्कला
रल्लेस्मि सदिस्मि रल्लसस्मि ठले
स्मि ब्रिवां नं तु सनं सां स्मि विष्णुस
स्मि विष्णुं पुः सचसस्मि सवं पुर
ठक्रुरिति ॥ ततः पुण्ययसः ॥
द्रुटपमद्मसंविद्धिं पुण्ययसंस
सागोत्र गां यद्दीलप विरत्तसु
त्रिसां यां तिसां नवः ॥ ततऽति ॥

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ [illegible] विद्मह[illegible] धीमहि
[illegible] गायत्री [illegible]
[illegible] ॥ ॐ [illegible]
विद्मह[illegible] गायत्री
[illegible] ३
ॐ [illegible] विद्मह[illegible]
[illegible] गायत्री [illegible]
[illegible] ३॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

३०

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible] ॥ उत्कीलनं ॥ ॐ अस्य
[illegible] ॐ उत्कील [illegible] अस्य [illegible]
[illegible] ॐ उत्कील
नं करोमि नमः २ ॥ मृतसंजीवनं ॥
अस्य ॐ [illegible]
[illegible] ॐ
[illegible] करोमि नमः २ ॥
शापोद्धारं ॥ ॐ [illegible] ॐ [illegible]
[illegible] करोमि नमः २

स्त्रसमस्यमेतत्॥ स्त्रसीगण्यही
समस्तमेतन्मन्त्रमुक्तं विमलजपेः
गण्यङ्क्षुः प्रत्युक्तप्रत्यमस्मि
ह्रूं फट्स्वाहा समस्तमेतद्विनियोगः॥
ॐ मेदमङ्कप्यं ह्रीं ठ ठ स्वाहा ह्रीं ठ
ठं फिवः श्रुं ह्रीं ठ ठ रं हूं ः
मवह्रीं ठ ठं मिभूरमा। ॐ ह्रीं
वंयहद्ययंवंयहद्यं यहीं वंय
यवः ठीं मियप्यमं तं मं विह्रीं ३
ॐ स्त्रवंयहद्ययंवंयहद्यं यहीं

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

33

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

श्रीं गायत्रीमन्त्रोत्कीलनं स्तोत्रं १

पीमन्त्रः ॐ क्लीं कं ह्रस्य भमि

मन्त्रस्य भमिमन्त्रविधिविनियोगः २

ॐ गायत्रीबीजं ऋषि पञ्चमं तन्त्र

कुर्यात् ब्रह्मविष्णुविद्भिः ॐ भगुत्रि

पीं भुवनमेव कामपुरी १० ॥

ॐ नमो गायत्री ब्रह्मस्य पाशुप

तत्वचक्र ॥ ब्रह्मचक्रमित्युप

पञ्चमन्त्रं भद्रं विष्णुरुद्र

कल्पं चक्रमित्युपधिः गायत्रीमु

न्त्रः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ नमो गायत्र्यै च श्रीपुरुषाय त्रिभु
वनपतये ॥ अस्य श्रीविष्णुगायत्रीम
न्त्रस्य श्रीविष्णुगायत्रीछन्दः
गायत्रीछन्दः श्रीपरमपुरुषो वि
ष्णुर्देवता ओं बीजं गायत्री शक्तिः
ह्रीं कीलकं सर्वसिद्धिः सर्वकीलकं
विष्णुगायत्रीमन्त्रजपे विनि
योगायत्रीमन्त्रे विनियोगः ॥
ॐ गायत्रीछन्दसे नमः विष्णु
गायत्र्यै विद्महे ब्रह्मचारिणे धीमहि ।

[illegible]

[illegible] ॥१०॥

ॐ नमो भगवते [illegible]

[illegible] ॥ ॐ [illegible] हृद-

याय नमः ॐ [illegible] शिरसे स्वा-

ॐ [illegible] शिखायै वषट् ॐ [illegible] क-

वचाय हुं ॐ [illegible] नेत्रेभ्यो वौषट्

ॐ [illegible] अस्त्राय फट्

ॐ [illegible] ॥१०॥

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

𑆓𑆳𑆪𑆠𑇀𑆫𑆵𑆱𑆷𑆑𑇀𑆠𑆂 𑆓𑆳𑆪𑆠𑇀𑆫𑆵𑆗𑆤𑇀𑆢𑆂 𑆉
[illegible] 𑆘𑆥𑆼 𑆮𑆴𑆤𑆴𑆪𑆾𑆓𑆂 𑇆 𑇄
𑆨𑆷𑆫𑇀𑆨𑆶𑆮𑆂 [illegible] 𑆓𑆳𑆪
𑆠𑇀𑆫𑆵 [illegible] 𑇅 [illegible] 𑇆
[illegible]
𑆓𑆳𑆪𑆠𑇀𑆫𑆵𑆱𑆷𑆑𑇀𑆠𑆂 [illegible] 𑆓𑆳𑆪𑆠𑇀𑆫𑆵
[illegible] 𑆮𑆴𑆤𑆴𑆪𑆾𑆓𑆂 𑇅
[illegible] 𑆨𑆷𑆫𑇀𑆨𑆶𑆮𑆂 [illegible]
[illegible]
[illegible] 𑆨𑆷𑆫𑇀𑆨𑆶𑆮𑆂

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ मङ्कसह्रयैरामल्लुनलप र
गपैभ्रगैःविह्मभहुंह्रुम्रज
ल्द्रुमत्रुडमडचिंमल्लुमिह
उउः मह्नुमशिमसह्रयैतु
कमलैमपपमह्रुंमेष्ठुठी
डीड्रणडीठवैह्रुवसठीष्ठुंहशिली
हशिली।। उउः ह्सखैंमडत्रअंम।।
ॐ क्रींभ्रचमह्मस्हह्रडीडमन
त्रुरभां भाविह्रीभुलवह्मत्रुल
भलवभमसह्रडभां।। उउः भ्रलं।।

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं
भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचो
दयात् ॐ [illegible] ॥ [illegible] ॥
ॐ [illegible] तत्सवितुर्वरेण्यं
भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] मम ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

...पणमस्तु ॥ ॐ अस्य श्री
दुर्गासिद्धमन्त्रस्य मार्कण्डेय ऋ
षिः गायत्रीछन्दः गायत्रीदुर्गा
दुर्गासिद्धिदेवता ह्रीं बीजं ह्रीं शक्तिः
ॐ कीलकम् ममाभीष्टसिद्ध्य
र्थे विनियोगः ॥ मार्कण्डेय ऋ
षये नमः शिरसि गायत्रीछन्द
से नमः मुखे गायत्रीदुर्गादु
र्गासिद्धिदेवतायै नमः हृदि ह्रींबी
जाय नमः ह्रीं शक्तये नमः गु
ह्ये

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ कीलकाय नमः पादयोः ॐ
विनियोगाय नमः सर्वाङ्गेषु ॥
ॐ अङ्गुष्ठाभ्यां नमः ॐ तर्जनी-
भ्यां मध्यमाभ्यां नमः ॐ अना-
मिकाभ्यां नमः ॐ कनिष्ठि-
काभ्यां नमः ॐ
करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः ॥
ॐ हृदयाय नमः ॐ शिरसे स्वा-
हा शिखायै वषट् ॐ
कवचाय हुं ॐ नेत्रत्रयाय
वौषट्

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ॐ [illegible] नमः

[illegible] गायत्रीम[illegible]

[illegible] ब्रह्मविष्णुः

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ इति [illegible] ॥

अथ हृदयं ॥ अस्य श्रीमहागाय

त्रीहृदयमन्त्रस्य ब्रह्मा ऋषिः गा

यत्रीछन्दः [illegible] देवता [illegible] बीजं

[illegible] शक्तिः [illegible] कीलकं गायत्रीप्रसा

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

नमिकृत्यं जपे विनियोगः ॥ ॐ ह्रां
नगु· ह्रः· ॐ ऐं ठल· सिमे· ह्रं
ह्रुं भग्रुम· सिमे· ॐ ऐं ग्रम· भि·
कवम· ॐ ऐं कविभृंहं· ह्रः
ह्रः· सं सं: कृरठल· नमः स्वाहा ॥
ॐ कृत्रु व: श्रीं भिडि फ्रि गुह्र: ॥ १
मम मंत्रं॥ ॐ नमल भमलवल्लूं
वल्लूयं फ्रिद्धीं नि सिल्ल निराम
गृह्णं भूल मुञ्जागमेंकं नमलवि
मलठरूं फ्रि विपमुद्धि यंद्धं ह्रः

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

𑆪𑆑𑆩𑆬𑆩𑆠𑇀𑆫𑆵𑆗𑆵𑆮𑆩𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫𑆂𑆜𑆮𑆠𑇀𑆫𑆵𑇆

𑆠𑆁𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶𑆢𑆜𑆓𑆮𑆂𑆤𑆳𑆪𑆥𑇀𑆬𑆮

𑆬𑇀𑆭𑆶𑆃 𑆱𑇀𑆪𑆥𑇀𑆭𑆶𑆮𑆁 𑆥𑆫𑆴𑆥𑆳𑆱𑇀𑆠𑆶𑆠𑆴 𑆑𑇀𑆫𑆁𑆱𑆶

𑆢𑆴𑆮𑇀𑆪𑆓𑇀𑆤𑆳𑆫 𑆓𑆳𑆂𑆪𑆶𑆢𑇀𑆝𑆴𑆁𑆱𑆶𑆝𑆴𑆩𑆴

𑆱𑇀𑆠𑆶𑆫𑆴𑆩𑆴 𑆮𑆤𑇀𑆢𑆮𑆂𑆓 𑆥𑆶𑆫𑆮𑆵𑆫𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆂𑆲

𑆝𑆪𑆃 𑆥𑆮𑆶𑆠𑇀𑆠𑆵 𑆝𑆩𑆩𑆱𑇀𑆠𑆥𑆁𑆲𑆴𑆠𑆵𑇅

𑆠𑆴𑆃 𑆑𑆃𑆥𑆓𑆪𑆃 𑆱𑆪𑆁𑆑𑆶𑆮𑆴𑆱𑇀𑆠𑆶𑆫𑆴

𑆠𑆴𑆓𑆝𑆃 𑆱𑆁𑆥𑇀𑆫𑆠𑇀𑆠𑆁𑆩𑆱𑆪𑆝𑆴𑇅𑆩𑆠𑇀𑆫

𑆩𑆪𑆂𑆲𑇀𑆫𑆵𑆤𑆜𑆮𑆠𑆴 𑆢𑆴𑆂𑆑𑆶𑆱𑆶𑆥𑆜𑆮

𑆠𑆴𑆤𑆱𑆶𑆥𑆂𑆓𑆁𑆜𑆮𑆠𑆴 𑆱𑆂𑆓𑆂𑆓𑆂𑇅

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] 𑆑𑆴𑆀 [illegible] 𑆑𑆴𑆀 [illegible] 𑆑𑆴𑆀 [illegible]

𑆑𑆴𑆀 [illegible] 𑆑𑆴𑆀 [illegible] 𑆑𑆴𑆀 [illegible] 𑆑𑆴𑆀

[illegible] 𑆑𑆴𑆀 [illegible] 𑆑𑆴𑆀 [illegible] 𑆑𑆴𑆀

[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

किंवीरेषु किंजनः किंविवस्त्र किंणी
मनि किंपियः किंयः किंनः किं
भूमिमयाज्ञा वक्ष्मिवाना क्रुरिरिक्रु
ऋकः क्रुवरिरुत्तुगिमल्लिकः श्रुगिरि
भल्लिकः मनगिरिमनल्लिकः रुन
गिरिरुपल्लिकः डपगिरिडपल्लिकः
मरुभिरिमरुल्लिकः क्रुक्रवःश्री
भिरिकेलिक्रुभा डमभेडिलःय
डुलभिप्रिक्रियडः मपिरुगिरुन्मि
रुश्रुवीरेषु भिरुत्वं मन्त्रभेवभूल
मरिः

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

गायत्र्याः ह्रींगां कहृस्रालि कडि
थफः कडिथफः कडिज्ञाणयः २
कडिमीघ्रलि ठवत्रि घृक्ष्मैवरा
मास्ल्रूयनगींह गडूहिंसहृक्षाः
हिपफः गडूथफः घक्ष्मतिः प
ल्मीघ्रलि ठवत्रि कडिथफः
ॐ ड्ब्रैंहूः सूघमाथफः
यन्तुंचैंह्रिडीयः मामवैसद्य
डीमः मृघवैसक्ष्रुञ्जः थफः
ठवत्रि कडिज्ञाणयःडि भवा

७३

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri

ब्रह्म[illegible]विष्णु[illegible]
[illegible] मन्त्रगायत्री ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]गा
यत्री[illegible] ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu.Digitized by eGangotri